UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 21 नानक देव (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

नानकदेव मानवता के परम उपासक थे। बचपन से ही ये धर्म और ईश्वर सम्बन्धी बातों में रुचि लेते थे। जहाँ ये साथियों के साथ भजन-कीर्तन में मस्त रहते थे, वहीं पाठशाला में गुमसुम रहते थे। पिता इन्हें बीमार जानकर इलाज का उपाय खोजने लगे। वैद्य द्वारा नाड़ी देखने से रोग नहीं जाना जा सका, धीरे-धीरे नानकदेव के ज्ञान, सत्संग और भजन आदि गुणों की चर्चा होने लगी। नानक को व्यापार के लिए सुल्तानपुर भेजा गया। वहाँ भी कार्य के साथ-साथ, दीनों को मुफ्त भोजन कराना, साधु-संगति करना और ईश्वर भजन करना इनकी दिनचर्या में सम्मिलित था। सुलक्षणा देवी से इनका विवाह होने पर श्रीचंद और लक्ष्मीचंद दो पुत्र पैदा हुए। फिर भी नानक का मन परिवार में नहीं लगा।

पिता ने नानक की देखभाल के लिए मरदाना को भेजा। वह नानक का भक्त बन गया। नानक देश-विदेश में घूम-घूमकर ऊँच-नीच के भेद-भाव को दूर करने में प्रयासरत हो गए नानकदेव सामाजिक विषमता पसन्द नहीं करते थे। ये गरीबों को देखकर द्रवित हो उठते थे। इन्होंने अनेक देशों की यात्रा की। ये अफगानिस्तान, काबुल, अरब, तिब्बत आदि देशों में गए और इन्होंने ज्ञान का प्रकाश फैलाया। ये मानव समानता की बात करते थे। इनके अनुसार अत्याचार सहना सबसे घोर पाप है। इनकी मान्यता थी कि ईश्वर एक है और वह सृष्टि का नियंता है। आज भी मानवता के उपासक नानकदेव की ख्याति विश्व में गूंज रही है।

अभ्यास

प्रश्न 1.
नानक की दृष्टि में सच्चा सौदा क्या था?
उत्तर :
नानकदेव की दृष्टि में साधुओं को भोजन कराना ही सच्चा सौदा था।

प्रश्न 2.
नानक के पिता को क्या चिन्ता थी?
उत्तर :
नानक के पिता को चिन्ता थी कि मेरे व्यापार को कौन सँभालेगा।

प्रश्न 3.
नानक की रुचि किन बातों में थी?
उत्तर :
नानक की रुचि धर्म, ज्ञान और ईश्वर सम्बन्धी बातों में थी।

प्रश्न 4.
सही (✓) अथवा गलत (✗) का निशान लगाइए (निशान लगाकर)

https://www.evidyarthi.in/

(क) नानक का जन्म तलवण्डी नामक गाँव में हुआ था। **(✓)**
(ख) नानक को व्यवसाय में आनन्द आने लगा। **(✗)**
(ग) नानक गरीब एवं दुखियारों को देखकर द्रवित हो उठते थे। **(✓)**
(घ) नानक चंचल प्रवृत्ति के बालक थे। **(✗)**

प्रश्न 5.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (पूर्ति करके) –

(क) नानक ने कहा-मैंने तो **सच्चा सौदा** किया है पिता जी।
(ख) **मरदाना** भी नानक के पास आकर उनका परम भक्त बन गया।
(ग) नानकदेव **ऊँच-नीच** के घोर विरोधी थे।
(घ) तलवण्डी अब **ननकाना साहब** के नाम से प्रसिद्ध है।

https://www.evidyarthi.in/